>

Title: Regarding attack on Indian patrol on Indian side of Line of Control and need to take steps for security of the Border.

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन में एक गम्भीर विषय रखना चाहता हूं। आज हमारे देश की सीमाओं पर गम्भीर खतरा है। इस गम्भीर खतरे के लिए हम सरकार को सावधान कर रहे हैं और लगातार 14 वर्षों से कहते आ रहे हैं कि हमारे हिन्दुस्तान की सीमाएं सुरक्षित नहीं हैं। उसी सिलसिले में अभी कल ही हमारे 21 बिहार रेजीमेंट के पांच जवानों की हमारी ही सीमा के अंदर घुसकर हत्या कर दी गई और वे पांच जवान शहीद हुए हैं। उधर लश्कर-ए-तैयबा, जैश -ए- मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकवादी संगठन हैं, और यह बात सरकार को भी पता है। इसके अलावा हफीज सईद जो आतंकवादियों का नेता है, वह अभी पिछले जून माह में हमारे देश की सीमा पर दौरा करके गया था, खासकर उस जगह का, यह भी सरकार को मालूम है। तब ही सरकार को सावधान हो जाना चाहिए था, लेकिन सरकार नहीं हुई और उसका नतीजा यह निकला कि कल सीमा पर हमारी फौज के पांच जवान शहीद हो गए। पाकिस्तान के साथ लगती भारत की पूरी सीमा पर हमें खतरा है और हम इस बारे में बार-बार यहां नम्र निवेदन करते आ रहे हैं। माननीय आडवाणी जी को भी मैंने कहा था कि देश की सीमाओं पर गम्भीर खतरा है। उसी वक्त सरकार को सावधान हो जाना चाहिए था। आज हमारे देश को चीन और पाकिस्तान दोनों से खतरा है। चीनी सैनिक हमारी सीमाओं को पार करके 19 किलोमीटर तक अंदर आकर कैम्प लगाकर रह रहे हैं। वे वापस नहीं गए हैं, जिस तरह से वे आए थे, इससे लगता है कि वह फिर हमला करेंगे। उन्होंने उसके लिए तरीका और रास्ता समझ लिया है बना लिया है इसीलिए वे लौट गए हैं। आज चीन से भी इतना बड़ा धोखा होगा, मैं सरकार को इस बारे में सावधान करना चाहता हूं। पंडित जवाहर लाल नेहरू जी को भी धोखा दिया गया था। वह उस धोखे को, इससे लगे सदमे को वह सह नहीं सके। चाऊ एन लाई जब हिन्दुस्तान आए थे तो उन्होंने हिन्दी-चीनी भाई-भाई का नारा दिया था। तब नेहरू जी ने उनका यहां इतना भव्य स्वागत कराया था और चीन को अपना सबसे बड़ा और अच्छा दोस्त मान लिया था। लेकिन उसी चीन ने नेहरू जी को धोखा दिया और हमारे देश पर हमला कर दिया ।

मैं आज सदन में कहना चाहता हूं कि उस समय सोशलिस्ट पार्टी के नेता डॉ. लोहिया और बाकी सभी नेताओं की राय थी कि नेहरू जी उस हमले के बाद,, लगे उस सदमे को सहन नहीं कर सके। यह 1962 की बात है और उसके बाद नेहरू जी का निधन हो गया। मैं आज कह रहा हूं, जो हो गया, वह हो गया। वह सदमा था, क्योंकि नेहरू जी को धोखा दिया गया था, चीन को उन्होंने परम मित्र मान लिया था। मैं बार-बार कह रहा हूं कि चीन धोखेबाज देश है। चीन और पाकिस्तान दोनों हमारे देश पर हमला कर रहे हैं। इससे ज्यादा देश को और क्या खतरा होगा, क्या लोक सभा रहेगी और क्या और रहेगा? मैंने उस समय भी सावधान किया था कि चीन पर कभी भरोसा न करना। मैं फिर दोहराना चाहता हूं कि चीन पर भरोसा न करना, माननीय रक्षा मंत्री जी और माननीय सोनिया गांधी जी। नेहरू जी को सदमा लगा था और वह 1962 का वह सदमा नहीं झेल सके और उनका निधन हो गया। मैं बताना चाहता हूं कि उनका यहां इतना सम्मान हो चुका था, वह तीसरी दुनिया के नेता बन गए थे। उसके बाद जो धोखा हुआ, वह हम सबको मालूम है।

हम आज बार-बार कह रहे हैं कि हमारे पांच जवान शहीद हो गए हैं। हमलावर पाकिस्तानं के आतंकवादी थे, उनके नेता ने यहां सीमा पर दौरा किया। पाकिस्तान भी आपसे नहीं डर रहा है, पाकिस्तान हमारे भारत जैसे विशाल देश को डरा रहा है। हमारी सेना बहादुर है, लेकिन लगता है कि हम कायर देश के रहने वाले हो गए हैं। मैं पाकिस्तान से दोस्ती चाहता हूं लेकिन हमारे जवानों पर हमले में क्या पाकिस्तान का हाथ नहीं है, क्या वे लोग जिन्होंने हमला किया वे पाकिस्तान के पालतू आदमी नहीं हैं? इसी तरह से चीन पूरी तरह से हमला करने की तैयारी कर रहा है। आज मैं फिर सरकार को सावधान करना चाहता हूं, मैंने पहले भी कहा है और वह कार्रवाई में लिखा हुआ है कि चीन हिंदुस्तान पर हमला करेगा। उसने सीमा क्षेत्र का पूरा नक्शा बना लिया है, आप हमें बताएं कि क्या उसने पूरा नक्शा नहीं बनाया है? हिमाचल से लेकर अरुणाचल तक और उसमें पूरा उत्तराखंड भी शामिल है, उसने कहा कि यह हमारा हिस्सा है। इस पर आपकी तरफ से क्या प्रतिक्रिया हुई है? क्या कश्मीर को भारत से छीनकर चीन और पाकिस्तान ले जाएगें? दोनों की इसमें सांठगांठ हो सकती है या नहीं हो सकती है यह विदेश मंत्री बताएं और फिर माननीय प्रधान मंत्री बताएं? इस देश को इतना सावधान किया गया और सावधान करने के बावजूद भी क्यों चीन से हमारी सीमा सुरक्षित नहीं है? मैं कह रहा हूं कि चीन और पाकिस्तान दोनों हमारी सीमाओं पर घात लगाकर बैठे हैं, इसलिए हमें सावधान रहना चाहिए। आपकी कहां कमी है? इस संबंध में आपको पूरे सदन का समर्थन होगा, पूरे देश की जनता का समर्थन होगा। यह सवाल समाजवादी पार्टी का नहीं पूरे देश का है। देश की एकता और सुरक्षा के लिए, देश के आत्म-विश्वास के लिए देश के स्वाभिमान के लिये सरकार ने क्या किया? आप बताएं कि हम हमला क्यों नहीं रोक पाए, क्या हमारी सेना कमजोर है? हमारी सेना कमजोर नहीं है। आपको पूरी जानकारियां क्यों नहीं हैं?

हम माननीय प्रधान मंत्री जी का धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने दो मिनिस्टर और एक अधिकारी को हमारे पास भेजा था। विदेश मंत्री को भेजा था, स्वामी जी को भेजा था और एक अधिकारी जो सुरक्षा का मामला देख रहे थे उन्हें भेजा था। उस समय मैंने एक ही बात कही थी कि पूरी सीमा को समझकर उसे देखकर उसकी रक्षा करनी और चीन पर भरोसा कभी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने नेहरू जी को धोखा दिया और वह उस सदमें को अपने जीवन में झेल नहीं सके, इसलिए आप चीन पर कभी भरोसा नहीं करना।

आप हमें बताएं कि हमारी सीमाएं कैसे सुरक्षित हैं? चीन पूरी तरह से तैयारी कर रहा है और पाकिस्तान आपसे नाराज रहता है, वह बंगला देश के बंटवारे को भूल नहीं पा रहा है, इसलिए वह हिंदुस्तान के खिलाफ है।

हमारी कश्मीर की जनता ने हमारा पूरा साथ दिया लेकिन आप कश्मीर की जनता को क्या दे रहे हैं? कश्मीर की जनता को आपको जितनी सुविधाएं देनी चाहिए थीं, आप वह भी नहीं दे पाए। वह कश्मीर की सीमा पर लड़ सकता था उन्हें रोक सकता था लेकिन न तो वहां इतना आवागमन है, न सड़कें हैं। अब आवागमन की तैयारी हो रही है, आजादी के बाद कश्मीर को ये सुविधाएं क्यों नहीं दी गयीं? कश्मीर के लोगों के लिए रोजगार नहीं हैं, सड़कें नहीं हैं, पीने के पानी का इंतजाम नहीं है। आप उनके गांवों को जाकर देखिये, मैंने वहां के गांव देखें हैं। मैंने वहां कैम्प लगाया था और 6 दिन वहां हम रहे थे। वहां के लोगों ने साफ कहा था और सुनकर मुझे आश्चर्य हुआ था जब हमारे फारुख अब्दुल्ला जी ने कहा कि मुझसे भूल हुई, मुझे पाकिस्तान जाना चाहिए था। तब मैंने कहा था कि आपको पता है कि पाकिस्तान में कितने प्रधान मंत्रियों को फांसी दी जा चुकी है। मैंने कहा कि आप वहां प्रधान मंत्री तो बन जाते लेकिन हो सकता था कि फांसी पर लटका दिये जाते। ...(व्यवधान) मुझे खुशी है कि कश्मीर की पूरी जनता हिंदुस्तान के साथ है, फारुख अब्दुल्ला जी मजबूती के साथ हिंदुस्तान के साथ है। हमारा और इनका बहुत साथ रहा है। आखिर क्या वजह रही, माननीय प्रधान मंत्री जी बताएं, रक्षा मंत्री जी बेचारे नहीं बता पाएंगे, क्योंकि हम जानते हैं कि इस मामले को कौन बता सकता है। ...(व्यवधान)

श्री गणेश सिंह (सतना): हमारे सैनिकों की गर्दन काटकर ले गये, लेकिन ये कुछ नहीं बोल पाए।

श्री मुलायम सिंह यादव : हम उस बात को यहां कहेंगे नहीं, हमारा पूरा हिंदुस्तान एक है। हमारे केरल से लेकर कश्मीर तक के भाई सब एक हैं लेकिन अनुभव और जानकारियां किसे ज्यादा हैं, सीमा की जानकारियां किसे ज्यादा हैं, वहां रोज क्या हो रहा है, इस बात की जानकारी किसे ज्यादा है, सभी जानते हैं। फारुख अब्दुल्ला जी को सबसे ज्यादा जानकारी है, उसके बाद हमारे साथियों को भी ज्यादा जानकारी है और हमें जानकारी इसलिए है कि हमें ट्रेनिंग एक ऐसे नेता ने दी है जिसने पहले ही बता दिया था कि चीन हमारा दुश्मन है। सन् 1952 में खुलेआम नेहरू जी को कहा था कि चीन हमारा दुश्मन होगा। तिब्बत के बारे में हमेशा हमारी तथा आपकी एक राय रही थी। हमारी राय रही थी, समाजवादी पार्टी की राय रही थी, सोशलिस्ट पार्टी की राय रही थी, संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी की राय रही थी, डॉ. राम मनोहर लोहिया की भी राय रही थी। तिब्बत हमारा पहरेदार है और तिब्बत को आपने भी चीन को दे दिया। तिब्बत इधर के लोगों ने भी दिया है और रहा-सहा सत्ताधारी पक्ष ने भी दे दिया है। दोनों ने मिलकर तिब्बत को दे दिया है।...(व्यवधान) अकेले कांग्रेस पार्टी दोषी नहीं है। आप थोड़ा विचार कीजिए, भारतीय जनता पार्टी भी तिब्बत के लिए जिम्मेदार है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : इसी सदन में मैंने विरोध किया था।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, आप अब अपनी बात समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : देश को एक रखना जरूरी है। जो गलती है, उसे आप स्वीकार कीजिए।...(व्यवधान) हमने जो गलतियां की हैं, उन्हें स्वीकार करने के लिए हम तैयार हैं। हम भी रक्षा मंत्री रहे हैं। हमने सीमा पर घूम-घूम कर दौरा किया है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, अब आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : हम जहां हो आए हैं, वहां फारूख साहब का जाना बहुत मुश्किल है, जहां हम रात को सोये हैं, जहां सियाचिन में हम घूम-घूम कर हो आए हैं, आप वहां जाकर देखिए।...(व्यवधान) वहां गए तो थे, चार किलोमीटर से भाग कर आ गए, बाल-बाल बचे। जार्ज फर्नांडिस जी लौट कर आ गए, बाल-बाल बचे और मुलायम सिंह 28 घंटे वहां रहे और सियाचिन के लोगों से बात की। सियाचिन के लोगों ने अपना हालचाल बताया और वह मैंने यहां आ कर उस बात को सदन को बताया। सब कुछ किया, लेकिन मेरे समय के प्रधानमंत्री आज दुनिया में नहीं हैं।...(व्यवधान) कृपा करिए प्रधानमंत्री जी, बात करिए। वह भी मैं आपसे कहना चाहता हूं।...(व्यवधान) अब मैं उनके बारे में ज्यादा कहना नहीं चाहता, उनको जो रिपोर्ट मैंने यहां आकर दी थी ...(व्यवधान) मैं वास्तव में वहां गया था। ...(व्यवधान) उस रिपोर्ट पर कार्यवाही के लिये हम पूरी तरह से तैयार थे।

अध्यक्ष महोदया : आपने अपनी बात कह दी है, अब समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

12.34 hrs

At this stage, Shri Sansuma Khunggur Bwiswmuthiary came and stood on the floor near the Table.

â€¦(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा (हज़ारीबाग): अध्यक्ष महोदया, हम लोगों ने...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हरिन पाठक जी, अब आप क्यों खड़े हो गए हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, आप बैठ जाएं।

â€¦(व्यवधान)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर): अध्यक्ष महोदया, यशवंत बाबू बोलने के लिए खड़े हो गए हैं। पाकिस्तान के बारे में बात कीजिए, चाइना के बारे में अलग

से डिबेट होगी।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है। अब हाउस को चलने दीजिए। जीरो ऑवर चल रहा है।

â€¦(व्यवधान)

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री (डॉ. फ़ारूख़ अब्दुल्ला): अध्यक्ष महोदया, मैं गुजारिश करना चाहता हूं।...(व्यवधान)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : यशवंत सिन्हा जी खड़े हैं।...(व्यवधान) पाकिस्तान पर डिबेट हो रही है। आधे घंटे चाइना के बारे में बात होती रही।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जगदम्बिका पाल जी, आप क्यों खड़े हो गए हैं? आप बैठ जाएं।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. फ़ारूख़ अब्दुल्ला : अध्यक्ष महोदया, मैं गुजारिश करना चाहता हूं कि हिंदुस्तान न कभी कमजोर था और न कभी रहेगा।...(व्यवधान) हिंदुस्तान के लोगों ने और हिंदुस्तान के सिपाहियों ने चूड़ियां नहीं पहनी हैं।...(व्यवधान)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : यशवंत सिन्हा जी काफी देर से बोलना चाहते हैं।...(व्यवधान)

12.35 hrs

At this stage, Shri Sansuma Khunggur Bwiswmuthiary went back to his seat.

डॉ. फ़ारूख़ अब्दुल्ला : हमारे पास शक्ति है और हम उनका मुकाबला कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए हमें एक हो कर रहने की आवश्यकता है। जब तक हम एक रहेंगे तब तक देश को किसी प्रकार का खतरा नहीं है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, अब आप बैठ जाइए। अब हो गया। बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप बैठ जाइए। आपकी बात हो गई। ज़ीरो ऑवर चल रहा है।

â€¦(व्यवधान)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : मैडम, यशवंत सिन्हा जी खड़े हो गए हैं। यशवंत सिन्हा जी पाकिस्तान पर बोलना चाहते हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हरिन पाठक जी, अब आप क्यों खड़े हो गये? आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा : अध्यक्ष महोदया, मैं यह जानना चाहता हूं कि जब मुलायम सिंह जी बोल रहे थे तो ये सब शांत होकर सुन रहे थे और मैं जिस विषय पर बोल रहा हूं, वह पाकिस्तान से संबंधित है। मैं जानना चाहता हूं कि ये लोग भारत के साथ हैं या पाकिस्तान के साथ हैं, यह बात स्पष्ट करें।...(व्यवधान)

क्या ये लोग पाकिस्तान का साथ भारत में दे रहे हैं?...(व्यवधान)

मेरी दो मांग है। एक मांग यह है कि रक्षा मंत्री तत्काल इस सदन में इस विषय पर बयान दें और दूसरी मेरी मांग है कि सीमा पर नियंत्रण रेखा पर जो घटनाएं घट रही हैं, उसके बारे में इस सदन में बताएं।...(व्यवधान) मैं सदन में आपके माध्यम से मांग कर रहा हूं कि यहां से घोषणा कीजिए जैसे आपने उत्तराखंड के बारे में बताया है, उसी तरह से इस बारे में भी बताएं।...(व्यवधान) कांग्रेस पार्टी अभी स्पष्ट करे कि वह भारत के साथ है या पाकिस्तान के साथ है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप अब क्यों खड़े हो गये? बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा : मैडम, जब मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं तो मुझे क्यों डिस्टर्ब किया जा रहा है?...(व्यवधान) मैं एक गंभीर राष्ट्रीय मुद्दे पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं।...(व्यवधान) मैडम, हमारे दो जवानों को पाकिस्तान की फौज ने मौत के घाट उतार दिया।...(व्यवधान) पाकिस्तान की फौज हमारे दो जवानों के सर काटकर अपने साथ ले गई।...(व्यवधान) इस बार नियंत्रण रेखा पर घटनाएं घटती रही हैं। पाकिस्तान की फौज आक्रामक रही है।...(व्यवधान) मैं अभी फारुख अबदुल्ला साहब को सुन रहा था। इस देश में ताकत है, इस संसद में ताकत है कि हम पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब दें।...(व्यवधान) हम पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब क्यों नहीं देते?...(व्यवधान) मुम्बई पर अटैक हो गया। आतंकवादी घटनाएं घटती रहती हैं और चिंता की बात है कि आतंकवादियों को छोड़ दिया गया।...(व्यवधान)

12.38 hrs

At this stage, Shri Subbam Hari and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

...(*Interruptions*)

12.39 hrs

At this stage, Shri Sansuma Khunggur Bwiswmuthiary came and stood on the floor near the Table.

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

श्री यशवंत सिन्हा : मैं जानना चाहता हूं कि जब मुलायम जी बोल रहे थे तो ये सब लोग शांत होकर सुन रहे थे और मैं इस विषय पर बोल रहा हूं तो डिस्टर्ब कर रहे हैं।...(व्यवधान) ये लोग भारत के साथ हैं या पाकिस्तान के साथ हैं, यह फर्क करें।...(व्यवधान)

एक माननीय सदस्य: * ...(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा : क्या पाकिस्तान का साथ दे रहे हैं? मेरी दो मांगें हैं। एक मांग यह है कि रक्षा मंत्री सदन में इस विषय पर बयान दें। मेरी दूसरी मांग है कि सीमा पर, नियंत्रण रेखा पर दो घटनाएं घट गई हैं, आप उसके बारे में सदन में स्टक्चर्ड डिसकशन करवाएं।...(व्यवधान) हम लिखकर देंगे लेकिन इस सदन के फ्लोर से मैं मांग कर रहा हूं कि घोषणा कीजिए। जैसे आपने उत्तराखंड के बारे में बताया है, उसी तरह इसके बारे में भी बताएं।...(व्यवधान) कांग्रेस पार्टी अभी स्पष्ट करे कि वह भारत के साथ है या पाकिस्तान के साथ है।...(व्यवधान) कांग्रेस का हाथ किसके साथ हैं? ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please go back.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा : सवाल यह है कि जब मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ तो क्यों डिस्टर्ब किया गया? मैं इसका उत्तर चाहता हूं। मैं एक गंभीर राष्ट्रीय मुद्दे पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please go back.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

MADAM SPEAKER: You give notice and we will have a discussion on this matter.

...(*Interruptions*)

श्री यशवंत सिन्हा : मैडम, इस सदन में इस गंभीर मुद्दे पर पहले नोटिस देने के बाद भी माननीय प्रधानमंत्री अनुपस्थित हैं, सदन के नेता बीमार हैं। यह सदन कैसे चलेगा? कौन है सुनने वाला इस सरकार में?...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: If there is anything unparliamentary, it will be removed from the record.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Shri Shivarama Gouda and Shri Shivkumar Udasi are associating themselves with the issue raised by Shri Yashwant Sinha.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 2.00 p.m.

12.44 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.

14.00 hrs

The Lok Sabha re-assembled at Fourteen of the Clock

(Mr. Deputy-Speaker *in the Chair*)

...(*Interruptions*)

14.0 Â¼ hrs

At this stage, Shri L. Rajagopal, Shri M. Venugopala Reddy and

some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

...(*Interruptions*)

14.01 hrs